स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ११ वि.सं. २०८३ सावन ११ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४९) [Monday 27 July 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्धके सेतु झोलुंगे पुल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । कैलालीमे नेपाल ओ भारतके सीमा बनके बहटी रहल बा, मोहना लडियारु इहे लडियाके किनारमे उपार हौसलपुर गाउँ रहल बा । छोट इ गाउँके नागरिकके सहज आवतजावतके लाग बनाइल झोलुंगे पुल अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध सेतु साबित हुइल बा ।

कैलारी गाउँपालिका–७ स्थित मोहना लडियामे रहल झोलुंगे पुल नेपाल ओ भारतके नागरिकके सम्बन्ध सेतु बनल हो । इ पुल बनलपाछे मोहना लडिया वारपार रहल नेपालीहे किल सजिल हुइल नैहो, छिमेकी भारतके टमान गाउँके बासिन्दा फेन नेपाली माटी ओ साइनोसँग रमैना सुविधा पाइल बटै ।

भारतीय गाउँ बेलापरसुआके राधे कठरिया कहलै, "इ पुल हम्रे भारतवासीके लाग नेपाली भूभागहे अपने घर जस्टे बनाडेले बा । हम्रे भारतमे बैठ्लेसे फेन हमार नाटपाँट, गोत्यार सक्कु नेपालमे बटै । पुलसे नातागोताके घरसम ओहोरदोहोर कैना बहुट सहज हुइल बा ।"

पुल नैरहलसम ओहोरदोहोर कैना बहुट करा रहे । बर्खामे किल नैहोके, हिउँदमे समेत स्थानीय लाउके भरमे वारपार कैना करल रहिट । दसगजा लग्गे जड़े पिल्लर बनके बैठल हौसलपुरके लाग झोलुंगे पुल हुइ पर्ना व्यापक आवाज उठलपाछे नेपाल सरकारके ७५ लाख रुपियाँ लागतमे झोलुंगे पुल बनाइल हो । २०७८ सालमे पुल निर्माण सुरु होके २०७९ सालके अन्त्यओर सम्पन्न हुइलपाछे स्थानीयके दुःखके दिन ओराइल रहे ।

पुल बनलपाछे हौसलपुरवासीहे गाउँपालिका, वडा कार्यालयसम ओहोरदोहोर कैना सहज हुइल बा । ओस्टके बेलापरसुआ, गोलबोझी, बेलरायाँलगायत टमान भारतीय गाउँके स्थानीयहे नेपाल आउजाउ कैना सजिल हुइल बा । इ पुल बनलपाछे सबसे ढेर फाइदा बेलापरसुआहे हुइल उ गाउँके लल्लनसिंह कठरिया बटैलै । उहाँ कहलै, "हमार मामाघर नेपालके कोटा तुल्सीपुर, गोत्यार घर घोडाघोडी नगरपालिकाके सिसैयामे रहल बा । नाटपाँट, घर, गोत्यार, इष्टमित्र नेपालमे रहल ओरसे इ पुलसे हम्रहीनहे ढेर सहज हुइल बा । रातके फेन ओहोरदोहोर करे पाइल बटी ।"

कठरियाके अनुसार पुल नैहोके लाउके भरमे नेपाल जाइबर लौटेबर बहुट दुःख खेपे परल रहे । कैचो टे लडियामे लाउ बन्द हुइलपाछे नेपालमे आफन्तके घरमे बास बैठे परल रहे ।

भारतके सीमित गाउँमे कम संख्यामे रहल कठरिया थारू समुदायके मनै भोजबिहाके लाग नेपाली लवण्डालवण्डीसे फेन हुइटी आइल बा । डुनुओरके कठरिया थारू 'रोटी बेटी' के सम्बन्ध रख्टी आइल बटै । ओट्रे किल नैहोके, कुलपूजा वा अन्य पूजाके लाग भारतीय कठरिया समुदायके व्यक्ति कैलारी गाउँपालिका–१ स्थित वनदेवी मन्दिरमे हरेक बरस अइना करल बटै ।

पुल डुनु ओरके आफन्तके सम्बन्धहे आउर दरिलो बनैना टेवा पुगाइल राधेके ठम्याइ रहल बा । उहाँ कहलै, "झोलुंगे पुलसे हुलाकी राजमार्गसम पुग्ना डगरा ग्राभेल रहट टे आउर सुनमे सुगन्ध हुइना रहे । बर्खाययामे हिलाके कारण डगरामे नेंग्ना कठिनाइ हुइना करठ् ।"

मोहना लडियाके झोलुंगे पुलसे दुई देशके नागरिकके सम्बन्धहे जोर्ना काम करल पूर्ववडाध्यक्ष कमल चौधरी बटैलै । "पुल बनलपाछे हम्रे डुनु देशके नागरिकहे ओहोरदोहोर कैना सजिल हुइल बा," उहाँ कहलै । सीमावर्ती नेपाली गाउँके स्थानीय किनमेलके लाग दिनहुँ बेलापरसुआ बजार पुग्ना करल बटै ।

अनलाइनमार्फत भन्सार टिर्ना व्यवस्था

भारतीय नागरिक अनलाइनमार्फत भन्सार टिर्ना व्यवस्था कैना नेपाल सरकारहे आग्रह करले बटै । लग्गेहेक गाउँसम पुगक लाग उहाँहुक्के भन्सार कराइ धनगढी वा खक्रौला पुगे पर्ना बाध्यता रहल बा । कठरिया कहलै, "भन्सार टिरक लाग डुर जाइ परठ् । अनलाइनसे हुइलेसे फेन टिरे सेक्ना व्यवस्था रहट कलेसे इ क्षेत्रके डुनु देशके व्यवसायीहे थप सुविधा पुगट ।"

गेटामे विश्वविद्यालय बिथोल्ना खेल स्वीकार्य नैहो : नागरिक अगुवा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । गेटामे सञ्चालनमे आइ लागल शहीद दशरथ चन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय बिथोल्ना खेल हुइ लागल कहटी धनगढीके नागरिक समाजके अगुवाहुके आपत्ति जनैले बटै । डाक्टर गोविन्द केसी बुधसे सुरू करल अनशन ओ उहे क्रममे राखल मागसे विश्वविद्याल बिथोल्ना आशंक करल हो ।

नागरिक अगुवा खडकराज जोशी, दिनेशराज भण्डारी ओ प्रमोद पाठक डाक्टर केसीके अनशनसे गेटामे सञ्चालनके मुहमे रहल शहीद दशरथ चन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय बिथोल्ना वातावरण तयार करल बटाइल हुइट । उहाँहुक्के डाक्टर केसीसे विगमे उठाइल माग ओ मुद्दाके सडकमे उटरके समर्थन करल रलेसे फेन इ बेरभर अनशनके पक्षमे नैहरल बटाइल हुइट ।

नागरिक अधिकारकर्मीसेमत रहल खडकराज जोशी इ बेर डाक्टर केसीके अनशन सुदूरपश्चिमके हित विपरीत रहल बटैलै । उहाँ सुदूरपश्चिमके करिब ३० लाख जनताके मागके विरुद्ध डाक्टर केसी धनगढीमे आके अनशन बसल बटैलै । 'डाक्टर केसीहे सुदूरपश्चिमके हितके लाग अनशन बैठल बटु कना लागल हुइ, सुदूरपश्चिमके ३० लाख जनाताके माग एकओर डाक्टर केसीके अनशन औरे ओर हरल अवस्था हो,' उहाँ कहलै, 'विश्वविद्यालय सञ्चालन हुइना बेलामे अनशन बैठ्ना कहलक कि उहाँ परिचालित हुइट नैहो कलेसे विश्वविद्यालय बिथोले आइल हुइट ।' *(बाँकी २ पेजमे)*

बालबालिकालाई डिजिटल जोखिमबाट सुरक्षित गरौं

- बालबालिकालाई सुरक्षित र जिम्मेवार डिजिटल प्रयोगबारे सचेत गराऔं,
- व्यक्तिगत विवरण, पासवर्ड र गोप्य जानकारी सुरक्षित राख्न सिकाऔं,
- अपरिचित व्यक्तिसँग अनलाइन सम्पर्क गर्दा सावधानी अपनाऔं,
- शंकास्पद लिङ्क, सन्देश र सामग्रीबाट टाढा रहन प्रेरित गरौं,
- इन्टरनेट प्रयोगमा अभिभावकीय निगरानी र संवाद बढाऔं,
- सामाजिक सञ्जालको सकारात्मक र मर्यादित प्रयोग गरौं,
- अनलाइन दुर्व्यवहार भए/गरेको पाइएमा नजिकको प्रहरी कार्यालयमा खबर गरौं।

प्रविधिको सही प्रयोगमार्फत बालबालिकाको सुरक्षित भविष्य निर्माण गरौं

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

लडिया कटानसे बस्ती जोखिममे

पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, १० सावन । कर्णाली लडियाके कटानसे टीकापुर नगरपालिका–५ स्थित टीकापुर पार्क, भैरवनाथ सामुदायिक वन ओ उहीसे दख्खिनके बस्ती जोखिममे परल बावै ।

भैरवनाथ मन्दिरसे उत्तरओर कर्णाली लडियाके बारह् पुरुब पश्छिउ ओर सोझरके करिब पाँच सय मिटर तटबन्ध भट्कासेकल बा । रानीजमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजनासे बनाइल तारजाली बगासेकल बा । तारजाली पुहलपाछे तारजालीसे उप्पर थुपारल ढुङ्गा (बोल्डर) पानीटर डुबल बावै ।

बारहसे गिट्टी ओ बालुवासे बनाइल किनार भट्काइबर वहाँके रुख्वा ढलल् बावै । लडिया भैरवनाथ वन, टीकापुर पार्क हुइटी दक्षिणमे रहल टीकापुर नगरपालिका–५, ६, ७ ओ ८ के बस्तीमे पैँठ्ना जोखिम बह्ल टीकापुर पार्कके इन्चार्ज अर्जुनबहादुर कुँवरके कहाइ रहल बा । लडिया किनारमे भेटल स्थानीय ७४ बरसके सोहनलाल थारू कहलै, "१० बरस आघे तीन सय मिटर पुरुबओर रहल कर्णाली इ बेर यहाँरे आइल बा । तटबन्ध भट्कगैल, यहाँ लानल बोल्डर फेन कटान हुइल ठाउँमे डारल नैहो । इ बेर पुहैना जस्टे हुइल बा ।"

कर्णाली लडियाके पुरुबओर ढुङ्गा, गिट्टीसे टापु बन्टी रहल ओरसे गैल बरस नै हटाइ पर्ना कहिके नगरपालिका, जिल्ला प्रशासन, प्रदेश ओ संघके प्रतिनिधि स्थलगत भ्रमण करल रहिट । टीकापुर नगरपालिकाके वन वातावरण तथा विपत् व्यवस्थापन शाखाके प्रमुख निर्मला चौधरी कहलै, "उ बेला नै जोखिमयुक्त ठाउँमे बोल्डर गिरैना कहल रहे ।"

जल तथा मौसम विज्ञान विभागके अनुसार शुकसम कर्णाली लडियाके जलस्तर ६.८४ मिटर किल पुगल बा । विगतके बरसके तथ्यांक हेरेबर साढे नौ मिटरसम पुग्ना करल डेखजाइठ् ।

कबुकाल खतराके तह १०.८ मिटर पार कैना करल बा । तत्काल व्यवस्था नैकैलेसे आठ मिटर पुगल पानीसे फेन तटबन्ध भट्काइ सेक्ना टीकापुर नगर प्रहरीके प्रमुख पहलबहाद्दु शाह बटैलै । प्रदेश सभा सदस्य लक्ष्मणकिशोर चौधरी स्थानीय तह, *(बाँकी ३ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखाः दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखाः जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

शिक्षा सचिव पौडेलसे डा. केसीसंग अनौपचारिक संवाद

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । शिक्षा ओ खेलकुद मन्त्रालयके सचिव चुणामणि पौडेलसे अनशनरत डा. गोविन्द केसीसँगे सहमतिके लग संवाद सुरु हुइल बटैले बटै ।

शिक्षा ओ खेलकुदमन्त्री सस्मित पोखरेलसँगेके समन्वयमे वार्ता ओ संवादमार्फत समाधान खोज्ना उद्देश्यसे उहाँ धनगढी पुगल रहिट । सचिव पौडेलसे डा. केसी उपचाररत सेती प्रादेशिक अस्पतालमे पुग्के भेटघाट करल बटै । उहे क्रममे डा. केसी ओ उहाँके सहयोगीसँगे अनौपचारिक संवाद करके धारणा बुझलके ओ अँटवार उहाँ मागबारे औपचारिक संवाद हुइना सचिव पौडेलसे जानकारी देहल बटै ।

डा. केसी ओ उहाँके सहयोगीसँगे संवाद करके धारणा ओ स्वास्थ्य अवस्थाबारे जानकारी लेहल सचिव पौडेलसे बटैले बटै । अँटवार प्रधानमन्त्रीके स्वास्थ्य सल्लाहकार डा. जेपी अग्रवाल ओ स्वास्थ्य ओ खाद्य स्वच्छता मन्त्रालयके सचिव धनगढी आइलपाछे औपचारिक संवाद करके सहमतिके प्रयास हुइना उहाँसे जानकारी देहल रहिट । सरकारसे संवाद ओ सहमतिके माध्यमसे डा. केसीले उठैल विषयके यथाशीघ्र सम्मानजनक ओ सहमतिपूर्ण समाधान खोज्ने उहाँके कहाइ बा ।

टमान पाँचबुँदे माग राखी डा. केसी तीन दिनसे अनशनमे बसल बटै । स्वास्थ्यमे समस्या आइलपाछे अनशनस्थल धनगढीके कृष्ण मन्दिर धर्मशालासे उहाँहे उपचारके लग सेती प्रादेशिक अस्पतालमे भर्ना करल बा ।

कैलालीके प्रमुख जिल्ला अधिकारी हिरालाल रेग्मी डा. केसीसँगे सचिव पौडेलसहित सामान्य संवाद करल ओ स्वास्थ्य अवस्थाबारे जानकारी लेहल बटैले बटै ।

गेटामे विश्वविद्यालय...

जोशी आघे कहलै, डाक्टर केसी विगतमे उठाइल मागके समर्थन करल रलेसे फेन इ बेर उठाइल माग गलत रहल बा । गेटामे पूर्वाधार तयार होके पढाइ सुरु हुइना बेला आके अनशन बैठ्ना कार्यमे यहाँके नागरिकके प्रश्न रहल बा ।' सुदूरपश्चिमके माग औरे तथा डाक्टर केसी औरे माग रख्ना उचित नैहुइना जोशी कहले बटै ।

औरे नगारिक समाजके अगुवा प्रमोद पाठक गेटामे विश्वविद्यालय नै सञ्चालन हुइ पर्ना बटैले बटै । उहाँ गेटामे विश्वविद्यालय सञ्चालन हुइना ओ इ बरससे पह्राइ सञ्चालन हुइनाहे कोइ फेन विमति राखे नैपैना बटैलै । 'गेटामे विश्वविद्यालय हुइना कहलपाछे इहीहे सञ्चालन करे परल । डाक्टर केसी आदरणीय व्यक्ति हुइट, उहाँ फेन विश्वविद्यालयके लाग पहल करे परल ।', पाठक कहलै ।

धनगढीके व्यवसायी दिनेशराज भण्डारी अपने फेन कौनो समय डाक्टर केसीके फ्यान रहल स्मरण कैटी हालके अनशनहे भर समर्थन करे नैसेक्ना बटैलै । उहाँ विश्वविद्यालय सञ्चालन कैना समयमे मेडिकल कलेज हुइ परल कना माग रख्ना गलत रहल उहाँ बटैलै ।

'कौनो दिन मै फेन उहाँके फ्यान रहुँ, माइतीघर मण्डलामे पुगके समर्थन फेन करल हो,' उहाँ कहलै, 'आज सुदूरपश्चिमके फरक परिवेश बा, विश्वविद्यालय सञ्चालन कैना समयमे मेडिकल कलेजके माग रख्ना गलत हो ।'

सुदूरपश्चिमके अधिकांश सर्वसाधारण डाक्टर केसीके अनशन गलत समयमे गलत माग राखके सुरू हुइल बटैले बटै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर
दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।
सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सञ्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

क्वान्टम युगके सन्देश

विचार
ई. प्रविण कुमार

मानव सभ्यताके इतिहास हेरलेसे एक विषय स्थापित बा– मनै एकडम सत्यके खोजीमे रहल । कबु उ आकाशके तारामे उत्तर खोजल, कबु नदीके प्रवाहमे, कबु हिमालयके गुफामे ध्यानस्थ ऋषिके मौनतामे टे कबु प्रयोगशालाके जटिल उपकरणमे । युग बदलटि गैल, भाषा बदलल मने प्रश्न ओहे रहल– 'यी ब्रह्माण्ड का हो ? जीवन का हो ? चेतना का हो ? अन्ततः मै के हुँ ?' हजारौँ वर्षआघे वैदिक ऋषि उपनिषद्मओर यिहे प्रश्नके उत्तर खोज्न प्रयास करले रहैं ।

आज आधुनिक विज्ञान, विशेष कैके क्वान्टम भौतिकशास्त्र, ओहे खोजके औरे अध्याय बनके रहल बा । फरक अत्रा किल हो कि ऋषि ध्यान, तपस्या ओ आत्मानुभूतिसे सत्य खोजल, वैज्ञानिक गणित, प्रयोग ओ अनुसन्धानसे । कबुकाल लागठ, विज्ञान ओ अध्यात्म दुई ठो समानान्तर नदी हो, जेकर उद्गम फरक डेखैलेसे फेन अन्ततः एक महासागरमे पुगके मिलठ । उपनिषद्मे एक वाक्य बा– 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म ।' अर्थात् यी सक्कु अस्तित्व एक परम चेतनाके अभिव्यक्ति हो । पृथ्वी, आकाश, जल, वायु, मानव, पशु, वनस्पति सब एक विराट् चेतनाके टमान रूप हो । हजारौँ वर्षआघे व्यक्त करल यी विचार आजके क्वान्टम विज्ञानके कुछ अवधारणासँग आश्चर्यजनक रूपमे मिलल डेखाइठ ।

शास्त्रीय भौतिकशास्त्रसे ब्रह्माण्डहे पूर्ण रूपमे यान्त्रिक, निश्चित ओ पूर्वानुमान करे सेक्ना प्रणालीके रूपमे व्याख्या करठ, जहाँ प्रत्येक घटना कारण ओ परिणामके कठोर नियमभित्रे बाँधल रहठ । जब हम्रे सूक्ष्मतम स्तर अर्थात् परमाणु ओ उपपरमाणु कणके संसारमे पुग्ठि, वहाँ शास्त्रीय भौतिकशास्त्र मौन रहठ ओ धेर गहिर प्रश्नहुकनके उत्तर डेना असमर्थ डेखाइठ । यिहेसे क्वान्टम भौतिकशास्त्र सुरु हुइठ, उहिनसे निश्चितताके सट्टा सम्भावना, स्थिरताके सट्टा परिवर्तनशीलता ओ पृथकताके सट्टा परस्पर सम्बन्धके भाषा बोलठ । यी परिवर्तन केवल वैज्ञानिक नाइहो, आध्यात्मिक अनुभूतिसँग फेन गहिर रूपमे जोरल डेखाइठ । उपनिषद्मे कहल बा– एक चेतना अनेक रूपमे प्रकट हुइठ ।

ओस्टेक क्वान्टम दृष्टिसे फेन सक्कु ब्रह्माण्डहे एक साझा ऊर्जा क्षेत्रके रूपमे देखठ, जहाँ सब कण अदृश्य रूपमे एकऔरेसँग सम्बन्धित बा । शास्त्रीय भौतिकशास्त्रसे उहिनहे अलग अलग वस्तु मानठ, क्वान्टम विज्ञानसे उहिनहे सम्बन्धके जालोभित्तरके एकीकृत अस्तित्वके रूपमे देखाइठ । अइसिके विज्ञानके भाषा ओ उपनिषद्के दर्शनबिच गहिर समानता डेखाइठ– जहाँ बाह्य यथार्थसे चेतना ओ सम्बन्ध वास्तविकताके मूल आधार मानजाइठ । टबेमारे जहाँ शास्त्रीय भौतिकशास्त्र प्रश्नके सीमा निर्धारण करठ, वहाँसे क्वान्टम भौतिकशास्त्र ओ आध्यात्मिक दर्शन मिलके अस्तित्वके गहिर रहस्यओर संकेत करे लागल ।

२० औं शताब्दीके प्रारम्भमे वैज्ञानिकसे परमाणुभित्तरके संसार बुझ्ने लागल । उहाँहुक्रे देखलैं कि सूक्ष्मतमस्तरमे संसार हमार कल्पनासे ढेर फरक बा । वहाँ वस्तु स्थिर नैहो । वहाँ निश्चितता नैहो । वहाँ सम्भावना बा, कम्पन बा, ऊर्जा बा, रहस्य बा । क्वान्टम भौतिकशास्त्र बटाइठ कि कौनो कण एक समयमे ढेर सम्भावित अवस्थामे रहे सेकठ । यिहिनहे 'सुपरपोजिसन' कहिजाइठ । और रोचक बाट, दुई कण लाखौँ किलोमिटर डुर रलेसे फेन एकऔरेसँग सम्बन्धित रहे सेकठ । यिहिनहे 'क्वान्टम इन्ट्यांगलमेन्ट' कहिजाइठ । जब वैज्ञानिक यी सिद्धान्त सार्वजनिक करलैं, जमानहे यी असम्भव जस्टे लागल । प्रयोगसे उहिनहे सत्य प्रमाणित करल । ओरकपाछे एक गहिर प्रश्न उठल– ब्रह्माण्डके सूक्ष्म कण अत्रा गहिर रूपमे जोरल बा कहिके, का सक्कु अस्तित्व वास्तवमे एकऔरेसँग सम्बन्धित बा ?

उपनिषद्के ऋषि यिहे बाट फरक भाषामे व्यक्त करले रहैं । उहाँहुक्रे कहल जस्टे– "अहं ब्रह्मास्मि", अर्थात् मै स्वयम् ब्रह्माण्डीय चेतनाके अंश हुँ । यी केवल धार्मिक वाक्य नाइहो यी मानव ओ ब्रह्माण्डबिचके गहिर सम्बन्धके उद्घोष हो । विज्ञानसे अभिन चेतनाके अन्तिम रहस्य पत्ता लागल नैहो । क्वान्टम सिद्धान्त एक बाट अवश्य देखैले बा– हम्रे सोचल जस्टे संसार पूर्ण रूपमे यान्त्रिक ओ अलग अलग एकाइके संग्रह किल नाइहो । यी सम्बन्धके विशाल जाल हो । आज यिहे क्वान्टम विज्ञानके आधारमे मानवजाति औरे महान् क्रान्तिके सँघारमे रहल बा– क्वान्टम कम्प्युटरके युग ।

पाछेक कुछ दशकमे कम्प्युटर मानव जीवनहे पूर्ण रूपमे परिवर्तन करले बा । बैंकिङसे शिक्षा, स्वास्थ्यसे सञ्चार, व्यापारसे मनोरञ्जनसम हरेक क्षेत्रमे कम्प्युटर हमार जीवनहे सहज बनैले बा । आज हम्रे प्रयोग करटिरहल कम्प्युटर फेन अपन सीमाभित्रे बाँधल बा । परम्परागत कम्प्युटरसे 'बिट' प्रयोग करठ, उहिनसे ० वा १ मध्ये एक किल अवस्था लेहे सेकठ । क्वान्टम कम्प्युटर 'क्युबिट' प्रयोग करठ, उहिनसे एक समयमे ० ओ १ दुनु अवस्था धारण करे सेकठ । यिहे विशेषतासे यकर शक्ति अकल्पनीय बनाइठ । वर्तमान कम्प्युटर एक द्रुत गतिमे दौरना घोडा हो कलेसे क्वान्टम कम्प्युटर सक्कु आकाशमे एकचो उरे सेक्ना गरुड जस्टे हुइल बा ।

आज अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी, बेलायत, क्यानडा तथा अन्य विकसित राष्ट्र अर्बौं डलर लगानी कैके क्वान्टम प्रविधिके विकास करटि बा ।

> क्वान्टम युगसे हम्रिहिनहे एक गहिर सन्देश डेहठ । ब्रह्माण्ड केवल पदार्थके संरचना नाइहो यी सम्भावना, सम्बन्ध ओ चेतनाके अद्भुत विस्तार हो । विज्ञानसे यकर गणितीय भाषा लेखल बा । उपनिषद्से हजारौँ वर्षआघे यकर आध्यात्मिक भाषा लेखल रहे । सायद भविष्यमे मानव सभ्यता ओहे विन्दुमे पुगल बा, जहाँ प्रयोगशालाके विज्ञान ओ ध्यानके अनुभूति एकऔरेक विरोधी नाइहो, पूरक ठहरल बा । जहाँ 'ज्ञान' ओ 'प्रज्ञा' एकऔरेमे विलीन हुइल बा । जहाँ 'विद्या' केवल सूचना नैहोके आत्मबोधके माध्यम बनल बा । उपनिषद्के एक प्रसिद्ध मन्त्र बा– 'असतो मा सद्गमय । तमसो मा ज्योतिर्गमय । मृत्योर्मा अमृतं गमय ।' अर्थात् असत्यसे सत्यओर, अन्धकारसे प्रकाशओर ओ सीमिततासे अमरओर लैजाइ । क्वान्टम युगके वास्तविक अर्थ फेन यिहे हुइ सेकि । यी केवल नयाँ कम्प्युटरके कथा नाइहो । यी मानव चेतनाके औरे यात्राके कथा हो । यी विज्ञान ओ अध्यात्मके पुनर्मिलनके कथा हो । सम्भवतः यी मानवताके नयाँ प्रभातके कथा हो ।

उहाँहुकनहे पाट बा कि आगामी शताब्दीके आर्थिक, वैज्ञानिक ओ सामरिक शक्ति यिहे प्रविधिसँग जोरल बा । क्वान्टम कम्प्युटरसे मानवजीवनमे नानल परिवर्तनके कल्पना आज पूर्ण रूपमा करना फेन कठिन बा । स्वास्थ्य क्षेत्रमे यिहिनसे क्यान्सर, अल्जाइमर, पार्किन्सन ओ दुर्लभ रोगके उपचार खोज्न प्रक्रियाहे तीव्र बनाइ सेकी । अब्बे वैज्ञानिकहे बर्सौं लग्न अनुसन्धान भविष्यमे कुछ दिनमे सम्पन्न हुइ सेकि । ऊर्जा क्षेत्रमे यिहिनसे नयाँ मेरिक ब्याट्री, नयाँ पदार्थ ओ स्वच्छ ऊर्जाके समाधान विकास करना मद्दत करि । जलवायु परिवर्तनविरुद्धके लडाइँमे यी एक शक्तिशाली साधन बने सेकि । कृषिक्षेत्रमे किसान मौसम, माटि, पानी ओ उत्पादनबारे सटिक जानकारी पैले बा । खाद्य संकट घटद बा । उत्पादन बह्रल बा । प्रत्येक शक्तिशाली आविष्कारसँग अवसर किल नाइहो, चुनौती फेन आइठ ।

क्वान्टम कम्प्युटरके सबसे भारी प्रभाव साइबर सुरक्षामे परना सम्भावना बा । आज हम्रे पठैना सन्देश, बैंकिङ कारोबार, सरकारी दस्तावेज ओ राष्ट्रिय सुरक्षाके सूचना जटिल संकेतीकरण प्रणालीसे सुरक्षित बा । हह्रिहिनहे लागठ यी सूचना सुरक्षित बा । पर्याप्त शक्तिशाली क्वान्टम कम्प्युटरसे भविष्यमे यी धेर सुरक्षा प्रणाली तोरे सेक्ना सम्भावना बा । कल्पना करि, कौनो राष्ट्र, संस्था वा आपराधिक समूह शक्तिशाली क्वान्टम कम्प्युटरके पहुँच प्राप्त करि कलेसे का हुइ सेकि ? बर्सौंसे सुरक्षित मानल गोप्य अभिलेख खुले सेकि । बैंकिङ प्रणाली जोखिममे परे सेकि । गोपनीय सञ्चार उजागर हुइ सेकि । डिजिटल पहिचान चोरी, आर्थिक अपराध ओ साइबर आक्रमणके नयाँ रूप देखा परे सेकि । टबेमारे आज विश्वभर 'पोस्ट-क्वान्टम क्रिप्टोग्राफी' अर्थात् क्वान्टम प्रतिरोधी सुरक्षा प्रणाली विकास हुइल बा ।

भविष्यके सुरक्षा केवल ताल्चा बलगर बनैना विषय नैरहल उ ताल्चा खोले सेक्ना शक्तिहे बुझ्ना विषय फेन हुइल बा । औरेओर, क्वान्टम कम्प्युटर ओ कृत्रिम बुद्धिमत्ताके संयोजनसे मानव सुरक्षामे सकारात्मक योगदान फेन डेहे सेकि । प्राकृतिक विपत्के पूर्वानुमान, महामारी नियन्त्रण, अपराध विश्लेषण, ट्राफिक व्यवस्थापन तथा आपत्कालीन उद्धार कार्य प्रभावकारी बने सेकि । यिहे एक आध्यात्मिक प्रश्न फेन उठ्ठ– का प्रविधिके विकाससँगे मानव चेतना फेन विकसित हुइटि बा ? उपनिषद्से बारम्बार 'विवेक', 'धर्म', 'सत्य' ओ 'संयम' के महत्व बटैठैं । ज्ञानसँग नैतिकता जोर कलेसे उ ज्ञान कल्याणके सट्टा विनाशके कारण फेन बने सेकठ । परमाणु ऊर्जा विद्युत् फेन डेहल ओ विनाशकारी हतियार फेन बनाइठ । निर्णय प्रविधिसे नैकरठ, चेतनासे करठ । टबेमारे भविष्यके सबसे भारी चुनौती प्राविधिक नाइहो, नैतिक रहि ।

नेपालके लाग फेन यी समय गम्भीर चिन्तनके समय हो । आजके हमार शिक्षा प्रणाली अभिन फेन स्मरणशक्ति केन्द्रित बा । विद्यार्थीहे उत्तर घोके सिखाजाइठ, प्रश्न पुछे नाइ । क्वान्टम युगमे सफलता पैना सिर्जनशीलता, अनुसन्धान, तार्किक सोच ओ नवप्रवर्तन आवश्यक हुइल बा । हमार विद्यालयके पाठ्यक्रममे परिवर्तन अपरिहार्य बा । आब विद्यार्थीहे केवल इतिहास ओ भूगोल किल पह्राके नैपुगठ । उहाँहुकनहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान, रोबोटिक्स, क्वान्टम कम्प्युटिङ, साइबर सुरक्षा ओ डिजिटल नैतिकताबारे फेन शिक्षित करे परठ ।

कक्षाकोठामे शिक्षकसे केवल पाठ पह्रैना नाइहो, जिज्ञासा जगैना वातावरण सिर्जना करे परठ । विद्यार्थीहे उत्तर नाइकि, खोजके आनन्द सिखाइ परठ । यिहे उपनिषद्के शिक्षाके मूल भाव फेन हो । उपनिषद् प्रश्नसे सुरु हुइठ, अन्धविश्वाससे नाइ । नेपालसँग अमेरिका वा चीन जस्टे भारी आर्थिक स्रोत नैहुइ सेकि । नेपालसँग प्रतिभाशाली युवाशक्ति बा । सही शिक्षा, अनुसन्धान ओ अवसर प्रदान करलेसे नेपाली युवा फेन विश्वस्तरीय क्वान्टम वैज्ञानिक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ ओ नवप्रवर्तक बने सेकि ।

क्वान्टम युगसे हम्रिहिनहे एक गहिर सन्देश डेहठ । *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

(एपिएन) सुदूरपश्चिम प्रदेश तथा कैलाली जिल्ला कमिटी गठन, गुणस्तरीय प्रारम्भिक शिक्षामे जोड

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । प्रारम्भिक शिक्षाके गुणस्तर अभिवृद्धि, अङ्गेजी शिक्षणाहे प्रभावकारी बनैना तथा संस्थागत विद्यालयके सशक्तीकरण कैना उद्देश्यसहित एसोसिएसन अफ प्रि-स्कुल एजुकेसन नेपाल (एपिएन) के सुदूरपश्चिम प्रदेश तथा कैलाली जिल्ला कमिटी गठन करल बा ।

धनगढीस्थित एक स्थानीय क्याफेमे सम्पन्न विशेष भेलासे प्रदेश तथा जिल्लाके संस्थागत विद्यालयके प्रतिनिधिहुकनके सहभागिताबीच सर्वसम्मत रूपमे नयाँ नेतृत्व चयन करल हो ।

भेलामे संस्थाके भावी कार्यदिशा, संगठन विस्तार, सदस्यता वृद्धि, शिक्षकके क्षमता विकास ओ शैक्षिक गुणस्तर सुधारके विषयमे विस्तृत छलफल करल रहे ।

नवनिर्वाचित सुदूरपश्चिम प्रदेश कमिटीके अध्यक्षमे मोहनराज ओझा,

उपाध्यक्षमे निर्मल बहादुर सिंह, सचिवमे सुरेन्द्र बोहरा, कोषाध्यक्षमे भोवी बहादुर कटुवाल तथा सह-सचिवमे भक्तराज ओझा चयन हुइल बटै ।

ओस्टे कैलाली जिल्ला कमिटीके अध्यक्षमे शंकर बहादुर मल्ल, उपाध्यक्षमे अच्युत दाहाल ओ सृष्टि हुमागाईं मल्ल, सचिवमे सरिता शाह तथा कोषाध्यक्षमे सुनिता पडाल चयन हुइल बटै ।

ओस्टे प्रदेश सल्लाहकारमे नृप बहादुर कुवँर ओ सदस्यमे ज्ञानु जोशी ओस्टे जिल्ला सल्लाहकारमे सुजित शर्मा ओ सदस्यमे ओमजंग सिंह चयन हुइल बटै ।

कार्यक्रममे नवनिर्वाचित पदाधिकारीहुकनहे खादा ओहाके बधाई तथा सफल कार्यकालके शुभकामना व्यक्त करल रहे ।

सहभागीहुक्रे संस्थागत विद्यालयबीच आपसी सहकार्यहे अझ सुदृढ बनैटी गुणस्तरीय प्रारम्भिक शिक्षा, शिक्षकके व्यावसायिक विकास ओ बालमैत्री शिक्षाके प्रवर्द्धनमे एकताबद्ध हुके आघे बहना प्रतिवद्धता जनैलै नयाँ प्रदेश तथा जिल्ला कमिटी गठनसंगे सुदूरपश्चिममे गुणस्तरीय प्रारम्भिक शिक्षा प्रवर्द्धन, संस्थागत विद्यालयबीच समन्वय ओ साझा शैक्षिक अभियानहे थप प्रभावकारी बनैना अपेक्षा करल बा ।

६ लाख २६ सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे ६ लाख २६ हजार ७ सय बराबरके अवैध भन्सार छलिके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

कैलाली जिल्लाके टमान ठाउँ धनगढी उ.म.न.पा.३ फिस रिसोट लग्गेसे वडा-९ बङ्गाकटान, त्रिवेणीघाट ओ वडा-१२ कम्पनी टोलसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.५ लाख ७४ हजार ७ सय बराबरके चिनी, बिडी, सुर्ति, कफि, मसला, प्लाष्टिक दुना टपरी, प्लाष्टिक झिल्ली, अटो थान-१ लगायतके सामाने नियन्त्रणमे लेहल बा ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुर बेलौरी न.पा.१० सडकघाटसे अबैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.५२ हजार बराबरके नियन्त्रणमे लेहल बा ।

कुल्वा लहाइना क्रममे डुबके बालकके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । कुल्वा लहाइटी क्रममे डुब्के घाहिल हुइल कैलालीके घोडाघोडी नगरपालिका-१ लोहरपुरके १२ वर्षीय टेकेन्द्र बोहराके उपचारके क्रममे ज्यान गिल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालयके अनुसार दोपहर १ बजेओर दोदा कुल्वामे सांघरीयनसँग लहाइना क्रममे डुबल घाहिल हुइल बालकके ज्यान गिल हो । उहाँ सांघरीयाहुकनसंगे १२ वर्षीय हरि बोहरा, आठ वर्षीय सुजन मौनी ओ १३ वर्षीया अनुस्का बोहरासँगे कुल्वामे लहाइना गिल रहै । टेकेन्द्र डुबल पाछे सांघरीयाहुकनसे घरमे नैपुगल उहाँके डाई पुष्पाहे खबर करल रहे ।

डाईसे डुबलके छावाहे कुल्वासे निकारके उपचारके लग घोडाघोडी अस्पताल पुऱ्याइलमेफे दोसर २ बजेओर चिकित्सकसे मृत घोषणा करल जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक योगेन्द्र तिमिल्सिनासे जानकारी देहल बटै ।

फरार दुई प्रतिवादी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत कैलालीके फैसलासे लागुऔषध मुद्दामे ७ महिना कैद सजाय तोकल धनगढी उ.म.न.पा.१५ उर्मी बैठना बर्ष २५ के मनिराज रानाहे पक्राउ कैगिल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरीस शनिच्चर दुपहर हुकाने घर ठेगानासे पक्राउ करल हो ।

ओस्टेक करके फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत कञ्चनपुरके २०८२ पुस २५ गतेके फैसलासे कुटपिट मुद्दामे २३ दिन कैद सजाय तोकल भीमदत्त न.पा.८ तिलाचौड बैठना बर्ष २३ के राजेश दमाईहे पक्राउ कैगिल बा । प्रहरी चौकी जिमुवा, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरीसे शनिच्चर हुकान घर ठेगानासे पक्राउ करल हो ।

लडिया कटानसे...

प्रतिनिधि सभाके सदस्य ओ रानीजमराके अधिकारीहे जोखिमबारे जानकारी कराइल बटैलै । उहाँ रानीजमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजनाके लापर्बाहीके कारण काम नैहोके जोखिम निम्टे लागल ओरसे यकर जिम्मा आयोजना लेहे पर्ना बटैलै ।

टीकापुर नगरपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत सुमन धितालके अनुसार रानीजमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजनासे २०८३ चैतमे लगाइल ठेक्कामे ठेकेदार काम नैकरलपाछे औरे ठेक्का खोलल् बा । उहीसे फेन लम्कीचुहासे लाने पर्ना बोल्डर लाने नैपाइल ओरसे काम आघे बहे सेकल नैहो ।

क्वान्टम युगके...

ब्रह्माण्ड केवल पदार्थके संरचना नाइहो यी सम्भावना, सम्बन्ध ओ चेतनाके अद्भुत विस्तार हो । विज्ञानसे यकर गणितीय भाषा लेखल बा । उपनिषद्से हजारौँ वर्षआघे यकर आध्यात्मिक भाषा लेखल रहे । सायद भविष्यमे मानव सभ्यता ओहे विन्दुमे पुगल बा, जहाँ प्रयोगशालाके विज्ञान ओ ध्यानके अनुभूति एकऔरेक विरोधी नाइहो, पूरक ठहरल बा । जहाँ 'ज्ञान' ओ 'प्रज्ञा' एकऔरेमे विलीन हुइल बा । जहाँ 'विद्या' केवल सूचना नैहोके आत्मबोधके माध्यम बनल बा । उपनिषद्के एक प्रसिद्ध मन्त्र बा- 'असतो मा सद्गमय । तमसो मा ज्योतिर्गमय । मृत्योर्मा अमृतं गमय ।' अर्थात् असत्यसे सत्यओर, अन्धकारसे प्रकाशओर ओ सीमितितासे अमरओर लैजाइ । क्वान्टम युगके वास्तविक अर्थ फेन यिहे हुइ सेकि । यी केवल नयाँ कम्प्युटरके कथा नाइहो । यी मानव चेतनाके औरे यात्राके कथा हो । यी विज्ञान ओ अध्यात्मके पुनर्मिलनके कथा हो । सम्भवतः यी मानवताके नयाँ प्रभातके कथा हो ।

साभार गोरखा दैनिकसे

कार्यान्वयन करे नैसेक्ना कानून बनाई नैपरठ : स्वास्थ्य मन्त्री घिमिरे

पहुरा समाचारदाता

दाङ १० सावन । लुम्बिनी प्रदेशका स्वास्थ्य मन्त्री रामजी प्रसाद घिमिरेसे व्यवहारमे कार्यान्वयन करे नैसेक्ना कानून ओ नीति बनैनाके कौनो औचित्य नैहुइना बटैले बटै ।

कानून बनैनासेफे उहीहे प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन करे सेक्ना वातावरण तयार कैना राज्यके पहिल दायित्व हुइल उल्लेख उहाँ स्वास्थ्य क्षेत्रहे व्यवस्थित, गुणस्तरीय ओ नागरिकमैत्री बनैना व्यवहारिक कानुन निर्माण आवश्यक रहल बटाइल हुइट ।

शनिच्चर दाङके भालुवाङमे एशोसिएशन अफ प्राइभेट हेल्थ इन्स्टिच्युसन अफ नेपाल (अफिन) लुम्बिनी प्रदेशसे आयोजित १२औँ वार्षिक साधारणसभा तथा टिसरा अधिवेशन उद्घाटन समारोहहे सम्बोधन करटी मन्त्री घिमिरे नेपालमे स्वास्थ्य क्षेत्रसंग सम्बन्धित ढेर कानून, नीति ओ निर्देशिका बन्लेसेफे ओकर प्रभावकारी कार्यान्वयन हुई नैसेक्के सेवा प्रवाहमे समस्या डेखल बटैलै । उहाँ कानून निर्माण करेबेर ओकर व्यवहारिक पक्ष, कार्यान्वयन क्षमता ओ जनताके आवश्यकता केन्द्रमे धारेपर्ना जोड डेलै ।

उहाँ स्वास्थ्य क्षेत्रमे सेवा प्रवाहहे प्रभावकारी बनैना सरकार, निजी क्षेत्र ओ सम्बन्धित निकायबीच सहकार्य आवश्यक रहल उल्लेख करटी कानून कागजमे सीमित हुइना नाही, व्यवहारमे लागु हुइना खालके हुईपर्ना धारणा व्यक्त करलै । कार्यान्वयन हुई नैसेक्ना कानूनसे सेवाग्राही, स्वास्थ्य संस्था ओ सरकार सक्कुहुनहे समस्या सिर्जना कैना हुइल ओरसे नीति निर्माण करेबेर व्यवहारिक पक्षहे प्राथमिकतामे धारेपर्ना उहाँ बटैलै ।

मन्त्री घिमिरेसे स्वास्थ्य क्षेत्रमे प्रदेश सरकारसे भोग्टी रहल ओर चुनौतीके जड संघीय सरकारसे बनल कुछ नीति ओ व्यवस्थामे रहल बटैलै । संविधानसे प्रदेश सरकारहे स्वास्थ्य क्षेत्रमे महत्वपूर्ण जिम्मेवारी डेहल हुइलेसेफे आवश्यक अधिकार, स्रोतसाधन ओ नीतिगत स्पष्टताके अभावके कारण अपेक्षित रूपमे काम कैना कठिनाइ हुइटी रहल उहाँक कहाई रहे । उहाँ संघीय सरकारसँग समन्वय करटी प्रदेश सरकारसे स्वास्थ्य सेवा सुधारके लाग निरन्तर पहल करटी रहल जानकारी डेलै ।

उहाँ प्रदेश सरकार निजी स्वास्थ्य संस्थासँग सहकार्य करके स्वास्थ्य सेवा विस्तार, गुणस्तर सुधार ओ नागरिकहे सहज उपचार सेवा उपलब्ध करैना पक्षमे रहल स्पष्ट परलै । सरकारसे समस्या ठप्न नाही, समाधान खोज्न भूमिका निर्वाह करेपर्ना उल्लेख करटी उहाँ स्वास्थ्य क्षेत्रके सक्कु सरोकारवालासंग हातेमालो करके आघे बहना प्रदेश सरकार तयार रहल बटैलै ।

मन्त्री घिमिरे नेपालके समग्र विकासके निजी क्षेत्रके भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रहल उल्लेख करटी निजी क्षेत्र सबल नैहुइटसम मुलुकसे अपेक्षित आर्थिक ओ सामाजिक विकास हासिल करे नैसेना धारणा रख्लै । उहाँ निजी स्वास्थ्य संस्थासे उपचार सेवा विस्तार, आधुनिक प्रविधिके प्रयोग, दक्ष जनशक्ति उत्पादन तथा रोजगारी सिर्जनामे महत्वपूर्ण योगदान डेटी रहल बटैलै । निजी क्षेत्रहे नियमन कैना नाममे अनावश्यक झन्झट सिर्जना कैना उचित नैहुइना उल्लेख करटी उहाँ सरकारसे सहजीकरण कैना भूमिका खेलेपर्ना पर्ना बटैलै ।

उहाँ सरकार ओ निजी क्षेत्रबीच प्रतिस्पर्धा नैहुके सहकार्य हुईपर्नामे जोड डेटी निजी क्षेत्रके लगानी सुरक्षित हुइना वातावरण निर्माण कैना आवश्यक रहल बटैलै । स्वास्थ्य सेवा जैसिन संवेदनशील क्षेत्रमे सरकारी ओ निजी दुनु क्षेत्रके साझेदारीसे केल्ह नागरिकसे गुणस्तरीय सेवा प्राप्त करे सेक्ना उहाँक कहाई रहे ।

कार्यक्रममे बोल्न और वक्ताहुक्रे स्वास्थ्य क्षेत्रमे डेखल चुनौती समाधान कैना सरकार ओ निजी क्षेत्रबीच विश्वासके वातावरण निर्माण करेपर्नामे जोड डेहल रहिट । ओइने स्वास्थ्य सेवा विस्तारसंगे गुणस्तर कायम कैना स्पष्ट नीति, स्थिर कानुनी व्यवस्था ओ लगानीमैत्री वातावरण आवश्यक रहल धारणा व्यक्त करलै । बारम्बार नीति परिवर्तन हुके निजी स्वास्थ्य संस्था सञ्चालन कैना कठिनाइ हुइना ओरसे दीर्घकालीन सोचके साथ नीति निर्माण करेपर्ना ओइनके सुझाव डेहल रहिट ।

निजी स्वास्थ्य संस्थाहुक्रे मुलुकके स्वास्थ्य सेवा प्रणालीहे मजबुत बनैना खेलल भूमिकाके प्रशंसा करटी सरकारसे निजी क्षेत्रहे साझेदारके रूपमे हेरेपर्नामे धारणा रख्ले । स्वास्थ्य क्षेत्रमे लगानी आकर्षित कैना पारदर्शी नीति, स्पष्ट कानूनी व्यवस्था ओ प्रशासनिक सहजता आवश्यक रहल ओइनके कहाई रहे । ओइनके स्वास्थ्य सेवाके पहुँच ओ गुणस्तर बह्राईक लाग सक्कु तहके सरकार ओ निजी क्षेत्रबीच निरन्तर समन्वय अपरिहार्य रहल बटैले रहिट ।

अफिन लुम्बिनी प्रदेशके अध्यक्ष रामप्रसाद खरेलके अध्यक्षतामे सम्पन्न कार्यक्रममे अफिनके केन्द्रीय अध्यक्ष डा. पदम खड्का, लुम्बिनी प्रदेशके स्वास्थ्य सचिव दुर्गालक्ष्मी श्रेष्ठ, अफिनके केन्द्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरि रिजाल, नेपाल औषधि व्यवसायी संघके पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष तथा लुम्बिनी प्रदेशके सल्लाहकार बाबुराम भट्टराई, नेपाल उद्योग परिसंघ लुम्बिनी प्रदेश अध्यक्ष एजाज आलम, नेपाल चेम्बर अफ कमर्स लुम्बिनी प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी कँडेल, अफिन बाँकेके संस्थापक अध्यक्ष डा. विनोद थापा तथा नेपाल मेडिकल काउन्सिलके सदस्य डा. सम्राट पराजुलीलगायतसे शुभकामना मन्तव्य व्यक्त करल रहिट ।

अफिन लुम्बिनी प्रदेश सदस्य विक्रम खड्कासे स्वागत मन्तव्यसे सुरु हुइल कार्यक्रमके सञ्चालन महासचिव केदारनाथ नेपाल करल रहिट ।

यिहे एशोसिएशन अफ प्राइभेट हेल्थ इन्स्टिच्युसन अफ नेपाल (अफिन) लुम्बिनी प्रदेशके टिसरा अधिवेशनसे अध्यक्षमे भीमप्रसाद तुलाचन निर्विरोध निर्वाचित हुइल बटै । ओस्टे उपाध्यक्षमे रविन श्रेष्ठ, सचिवमे प्रकाश राना, कोषाध्यक्षमे विरू भण्डारी निर्विरोध निर्वाचित हुइल बटै । ओस्टे सदस्यमे सरस्वता पन्थी, डा. दिपेश कुमार गुप्ता, विदुर बहादुर जिसी, माधव भण्डारी रहल बटै ।

२५ गतेभिटर सुदूरपश्चिममे लावा सरकार बन्टी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेश लवा सरकार गठनके लग तयारी करटी रहल बा ।

नेकपा एमालसे मुख्यमन्त्री कमल बहादुर शाह नेतृत्वके सरकारहे देहल समर्थन औटना लेहलपाछे लवा सरकार गठनके प्रक्रिया सुरु हुइल हो । लवा सत्ता समीकरणअनुसार नेकपाके संसदीय दलके नेता खगराज भट्टहे मुख्यमन्त्री बनैना सहमति हुइल बा ।

नेकपा ओ एमालेसँगे स्पष्ट बहुमत हुइल प्रदेश प्रमुखसमक्ष लवा सरकार गठनके दाबी कैना तयारी हुइटी रहल बा । नेकपाके सांसद मानबहादुर धामीके अनुसार यहाँ महिनाके २० से २५ गतेभिटर लवा सरकार गठन हुइना सम्भावना बा ।

सांसद धामीके अनुसार कानुनतः समर्थन औटना लेहल एक महिनाभिटर मुख्यमन्त्रीसे विश्वासके मत लेहेकपर्ना प्रावधान बा । 'एमालेसे समर्थन औटना

लेहलपाछे अब्बे झन्डै १५–१७ दिनके समय मुख्यमन्त्रीसँगे बा, धामीसे कहलै, उहाँसँगे दुई ठो विकल्प – कि त अल्पमतमे परलपाछे नैतिकताके आधारमे राजीनामा देना, के सदनमे जाके विश्वासके मतके सामना कैना ।'

मुख्यमन्त्री शाहसे अब्बेसम राजीनामा नैदेहल कारण उहाँ विश्वासके मतके प्रक्रियामे जाइसेक्ना सम्भावना रहलके धामीके बुझाइ बा । 'अब्बेसमके बाटचिट सुन्टी मुख्यमन्त्री विश्वासके मतके लग सदन जिना मुडमे देखल बा,' उहाँ कहलै । नयाँ सत्ता समीकरणअनुसार नेपाली कम्युनिस्ट पार्टीके संसदीय दलके नेता खगराज भट्टहे मुख्यमन्त्री बनैटी सहमति हुइसकल बा । नेकपा ओ एमाले मिल्दा स्पष्ट बहुमत पुगल हुइल प्रदेश प्रमुखसमक्ष हली दाबी पेस करल तयारी बा ।

लवा सरकारमे किहिन कुछ मन्त्रालय पैना कना विषयमे केन्द्र ओ प्रदेश दुनु तहमे छलफल सुरु हुइल बा । सुदूरपश्चिममे नेकपा सबसे बरवर दल सत्ता साझेदारमध्ये हुइल ओ एमालेके फे बलियो उपस्थिति रहल सिट संख्या ओ दलके आकारअनुसार मन्त्रालय बाँडफाँट हुइना धामीसे जानकारी देलै । 'मन्त्रालयके संख्या ओ जिम्मेवारीबारे उप्पर तहमे होमवर्क सुरु हुइइसेकल बा, एक ठो मापदण्ड बनैटी हम्रे आघे बहब ,' उहाँ कहलै ।

२०७९ सालके प्रदेश सभा निर्वाचनपाछे सुदूरपश्चिममे चार चो सरकार परिवर्तन हुइसेकल बा । एकरआघे एमालेके राजेन्सिंह रावल, कांग्रेसके कमल बहादुर शाह, नेकपा एकीकृत समाजवादीके दीर्घबहादुर सोडारी ओ पुनः कमल बहादुर शाह मुख्यमन्त्री बनसेकल बटै ।

अब्बे खगराज भट्ट मुख्यमन्त्री बनलमे इ कार्यकालके पाँचौं मुख्यमन्त्री हुइल बटै । पहिल कार्यकालसहित जोरटी मुख्यमन्त्री हुइना खगराज भट्ट छैटौं हुइट । अपन कार्यकालमे उपलब्धीमुलक काम करके बिदा हुइना नेकपाके धारणा बा ।

पाँचौं मुख्यमन्त्री बन्टी खगराज भट्ट

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे सत्ता परिवर्तन हुइना निश्चित हुइल बा । नेपाली कांग्रेसके संसदीय दलके नेता ओ मुख्यमन्त्री कमल बहादुर शाह सरकारसे बिदाइ हुइटी बटै कहटी नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा)के संसदीय दलके नेता खगराज भट्ट प्रदेशके पाँचौं मुख्यमन्त्री बन्ना हुइल बटै ।

नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) ओ नेकपा एमालेबिच लवा सत्ता समीकरणके लग सहमति हुइलपाछे खगराज भट्टके नेतृत्वमे नयाँ सरकार गठन कैना तयारी आघे बहल हो । दुनु दलबिच सत्ता साझेदारी, मन्त्रालयके भागबन्डा ओ साझा कार्यक्रमके विषयमे सहमति जुटे सँगै अब्बे सुदूरपश्चिमके सरकार फे लवा बन्ना हुइल हो ।

एमालेसे कमल बहादुर शाह नेतृत्वके सरकारहे देहल समर्थन लौटना लेहलपाछे सरकार अल्पमतमे परल रहे । ओकर लवा सरकार गठनके लग राजनीतिक छलफल तीव्र बनल रहे । अन्ततः नेकपा ओ एमालेबिच सहमति जुटलसँगे शाहके बहिर्गमन निश्चित हुइल बा । अब्बे संविधानके व्यवस्थाअनुसार लवा सरकार गठनके लग आवश्यक प्रक्रिया आघे बहल बा । खगराज भट्टसे प्रदेशके पाँचौं मुख्यमन्त्रीके रूपमे शपथ लेना तयारी भइरहल बा ।

ओकरसंगे दोसर प्रदेश सभामे पाँचौं चो सरकार परिवर्तन हुइना हुइल बा । २०७९ पुस २७ गते एमालेके राजेन्सिंह रावल पहिल मुख्यमन्त्री बनल रहे । ओकरपाछे कमल बहादुर शाह पहिल चो मुख्यमन्त्री बनल । २०८१ वैशाखमे दीर्घबहादुर सोडारीसे सरकारके नेतृत्व करल कहटी ओकरपाछे शाह दोसर चो मुख्यमन्त्री बनल । अब्बे शाहके दोसर कार्यकाल समाप्त हुइटी खगराज भट्ट लवा मुख्यमन्त्री बन्ना हुइल बटै ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके पहिल कार्यकाल कहटी स्थिर रहल रहे । तत्कालीन नेकपा माओवादी केन्द्रके नेता त्रिलोचन भट्टसे पाँच वर्ष पूरा कार्यकाल सरकारके नेतृत्व करल रहे । मने दोसर कार्यकालमे कहटी सरकार लगातार परिवर्तन हुइल राजनीतिक अस्थिरता बहती गिल बा ।

बारबारके सत्ता परिवर्तनसे बजेट कार्यान्वयन, विकास आयोजना ओ प्रशासनिक कामकारबाहीमे समेत असर परल बा । अब्बे खगराज भट्ट नेतृत्वके लवा सरकारसे प्रदेशमे राजनीतिक स्थायित्व कायम करटी विकासके कामहे गति देहेसेक्ना अपेक्षा करल बा ।

गौरीफन्टा नाकामे 'बोर्डर इन्टरयाक्सन टिम' परिचालन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० सावन । नेपाल–भारत सीमा क्षेत्रके सुरक्षा व्यवस्थाहे थप प्रभावकारी बनैना उद्देश्यसे कैलाली–कञ्चनपुरके गौरीफन्टा नाकामे 'बोर्डर इन्टरयाक्सन टिम' (बिआइटी) परिचालन करल बा ।

सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल नं ७ वैद्यनाथ बाहिनी मुख्यालय कैलालीके बाहिनीपति सशस्त्र प्रहरी नायब महानिरीक्षक दिगविजय सुवेदीसे आज कञ्चनपुरके पुनर्वास नगरपालिका–११ डोकेबजारस्थित गौरीफन्टा सीमानाकामे आयोजित कार्यक्रममे सीमा संवाद समूह (बोर्डर इन्टरयाक्सन टिम) परिचालन करके घोषणा करल बटै ।

सशस्त्र प्रहरीके प्रहरी महानिरीक्षक नारायणदत्त पौडेलके सीमा सुरक्षाहे थप प्रभावकारी बनैना योजनाअनुसार गौरीफन्टा नाकामे 'बिआइटी' परिचालन करल बटैना । सशस्त्र प्रहरीके प्रहरी नायब महानिरीक्षक सुवेदीसे सीमा नाकामे कडा सुरक्षा ओ सहज आवागमनबीच सन्तुलन कायम करटी नागरिकसँगे प्रत्यक्ष समन्वय बढैना उद्देश्यसे टोली परिचालन करल जानकारी देलै ।

उहाँके अनुसार सादा पोसाकमे परिचालित टोलीमार्फत सीमा क्षेत्रमे हुइसेकल आपराधिक गतिविधि नियन्त्रण, आवश्यक सूचना संकलन ओ सूचना आदानप्रदानहे प्रभावकारी बनैना सहयोग पुगल अपेक्षा करल बा । सीमा नाकासे आवतजावत कैना नागरिकसे वर्दीधारी सुरक्षाकर्मीसे सादा पोसाकमे रहलके टोलीसँगे सहज रूपमे सम्पर्क करेसेकनम हुइल सुरक्षासम्बन्धी सूचना प्राप्त कैना ओ नागरिकसँगे विश्वासके सम्बन्ध विस्तार कैना इ अवधारणा उपयोगी हुइना उहाँ कहाइ बा ।

बाहिनीपति सुवेदी सीमा समन्वय टोलीमे खटल सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीहे 'निगरानी, समन्वय ओ नियन्त्रण' के नीतिअनुसार अनुशासित, नागरिकमैत्री ओ त्रुटिरहित ढङ्गसे जिम्मेवारी निर्वाह कैना निर्देशनसमेत देलै । सशस्त्र प्रहरीसे सीमा प्रवेश विन्दुहे यैसिन टोली परिचालन करके सीमासुरक्षा व्यवस्थापनहे थप प्रभावकारी, नागरिकमैत्री ओ सूचना–आधारित बनैना रणनीति आघे बढैना जनैले बा । हाल गौरीफन्टा नाकासहित हाल देशके टमान ६ जिल्लामे कार्यारम्भ करल हो ।

कार्यक्रममे सशस्त्र प्रहरी बल नं ३४ गण मुख्यालय कैलालीके गणपति खुमबहादुर केसी, कैलाली ओ कञ्चनपुरके सीमावर्ती क्षेत्रके सशस्त्र प्रहरी इकाइ प्रमुख, सीमावर्ती वडाके जनप्रतिनिधि ओ नेपाल प्रहरी त्रिनगर प्रहरी चौकीके प्रमुख ओ प्रहरी वरिष्ठ नायब निरीक्षक नैनसिंह भाटलगायतके उपस्थिति रहे ।

लुम्बिनी प्रदेशमे कांग्रेसके मन्त्रीसे राजीनामा

पहुरा समाचारदाता

दाङ १० सावन । लुम्बिनी प्रदेश सरकारमे रहल नेपाली कांग्रेसके मन्त्रीहुक्रे अपन संसदीय दलमे सामूहिक राजीनामा डेले बटै । सरकारमे सामेल हुइल पाँचु जाने मन्त्रीहुक्रे कांग्रेस संसदीय दलके नेता डिल्लीबहादुर चौधरीहे राजीनामा बुझैले बटै ।

सामाजिक विकासमन्त्री जन्मजय तिमिल्सिनासे दलके नेता चौधरीहे राजीनामा पठाइल बटैले बटै । नेकपा एमाले ओ नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा)बीच शनिच्चर प्रदेश सरकारमे सहकार्य कैना सहमति हुइलपाछे अँटवार कांग्रेससे प्रदेश सरकारमे रहल मन्त्रीहुक्रे सामूहिक राजीनामा डेहल हुइट ।

लुम्बिनी प्रदेश सरकारमे कांग्रेससे सहरी विकास तथा खानेपानी मन्त्री सरोज थापा, आर्थिक मामिला मन्त्री धनेन्र कार्की, उद्योग, पर्यटन तथा यातायात मन्त्री प्रचण्डविक्रम न्यौपाने, सामाजिक विकास मन्त्री जन्मजय तिमिल्सेना ओ वन तथा वातावरण मन्त्री देवकरण कलवार सहभागी हुइल रहिट ।

आब कांग्रेस संसदीय दलसे मुख्यमन्त्री चेतनारायण आचार्यहे राजीनामा पत्र बुझाके सरकारहे डेहल समर्थन फिर्ता लेना तयारी सुरु करले बा । लुम्बिनी प्रदेशमे कांग्रेस ओ एमालेबीचके सहकार्यमे सरकार बनल रहे । दुई दल बिच पालिक पाला मुख्यमन्त्री बन्न सहमति अनुसार एमालेके नेता चेतनारायण आचार्य मुख्यमन्त्री रहिट । मने एमाले–नेकपा बिच सातु प्रदेशमे सत्ता समीकरण ओ सहकार्य कैना सहमति हुइलपाछे कांग्रेस सत्तासे बाहिरल बा ।

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- बर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु बिशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine

Senior Consultant Physician

NMC NO. 20304

➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९